जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 69 प्रभात बीकानेर, बुधवार 1 अक्टूबर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

# ट्रंप ने हमास को गंभीर चेतावनी देकर गाज़ा के पीस प्लान को सार्वजनिक किया

**प्लान के अनुसार, यदि हमास ने पीस प्लान को नहीं स्वीकार किया तो इज़रायल को पूर्ण छूट दी जायेगी, नेस्तनाबूद करने के लिए और अमेरिका पूरा सहयोग करेगा**

- प्लान दो पार्ट में है, पहला, हमास के आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करना होगा, दूसरा सभी बंधकों को छोड़ना होगा।
- मजे की बात है कि इस पीस प्लान को खाड़ी देशों का समर्थन मिला है, वे हमास को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि हमास की आतंकवादी गतिविधियों का खामियाजा मुस्लिम देशों को उठाना पड़ रहा है।
- गत सात अक्टूबर को जब से हमास ने इज़रायल पर आक्रमण कर निहत्थे लोग बंधक बनाये हैं, तब से जवाबी आक्रमणों में गाज़ा के 66,000 लोग मारे जा चुके हैं।
- इस पीस प्लान को ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है। ट्रंप ने अपने प्रथम शासनकाल में सार्वजनिक किया था कि वे गाज़ा को समुद्रतटीय पर्यटन स्थल बनाना चाहते हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। डॉनल्ड ट्रंप ने हमास को कड़ी धमकी देते हुए गाज़ा में शांति योजना घोषित की। उन्होंने हमास को चेतावनी दी है कि यदि उसने इस प्रस्ताव को ठुकराया, तो उसके लिए विनाशकारी परिणाम होंगे और "हमास नर्क में इसकी कीमत चुकाएगा।" ट्रंप की यह योजना हमास के लिए एक तरह से "या आत्मसमर्पण करो या पूरी तरह मिट जाओ" की ऐसी पूर्वनिर्मित स्थिति है, जिसे अब बदला नहीं जा सकता है।

ट्रंप का कहना है कि यदि हमास इस प्रस्ताव को अस्वीकार करता है, तो यह उसका दुखद अंत होगा।

ट्रंप की गाज़ा शांति योजना के तहत हमास को पहले चरण में पूरी तरह आत्मसमर्पण करना होगा, और सभी बंधकों को रिहा करना होगा, जो वर्तमान में उसकी कैद में हैं। इन दोनों शर्तों का मतलब है कि हमास का एक संगठन के रूप में अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अगर हमास आत्मसमर्पण नहीं करता और योजना को स्वीकार नहीं करता, तो इज़राइल उसका पूरी तरह से सफ़ाया कर देगा, और अमेरिका इस कार्रवाई में पूरा समर्थन देगा। यह तथाकथित "शांति योजना" असल में हमास के विरुद्ध कार्रवाई को इस स्तर तक ले जाने का वादा करती है, जिससे संगठन का समूल नाश हो जाएगा।

एक तरह से, पूरे मुस्लिम विश्व ने इस योजना का समर्थन किया है और हमास से आत्मसमर्पण करने की अपील की है। पहले भी कई मध्य-पूर्वी देशों ने हमास से अपने विरोध को समाप्त करने को कहा था, क्योंकि इस हिंसा से पूरा क्षेत्र थक चुका है।

7 अक्टूबर को हमास द्वारा इज़राइल के किब्बुत्ज़ पर हमला करने और निर्दोष इज़राइली नागरिकों की हत्या करने के बाद से गाज़ा में मौतों की संख्या 66,000 तक पहुँच गई है, और उससे कहीं अधिक लोग घायल या अपंग हो चुके हैं। सबसे बुरी मार बच्चों पर पड़ी है, जिन्हें भारी पीड़ा और वंचना का सामना करना पड़ा है।

इस नई शांति योजना को विस्तृत विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है, और इसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल रहे हैं। ब्लेयर, जिन्हें मध्य पूर्व मामलों पर सख्त रुख के लिए जाना जाता है, ब्रिटिश लेबर पार्टी से संबंध रखते हुए भी दक्षिणपंथी धार्मिक विचारों के समर्थक माने जाते हैं।

प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद से ही ब्लेयर समानांतर कूटनीति में संलग्न हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## भगदड़ के बाद एक्टर विजय का पहला वीडियो संदेश

करूर, तमिलनाडु, 30 सितंबर। करूर भगदड़ में 41 लोगों की मौत के बाद टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय ने पहला वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, "मैंने अपने जीवन में ऐसी दर्दनाक स्थिति का सामना कभी नहीं किया। मैं बहुत दुखी हूं... सभी राजनीति को छोड़कर, हम हमेशा पुलिस से सुरक्षित स्थान की अनुमति मांगते हैं। लेकिन जो नहीं होना चाहिए था, वह हो गया... मैं जल्द ही पीड़ितों से मिलूंगा... मैं उस परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूंजो इस नुकसान से दुखी हैं... मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है..."

- उन्होंने कहा, जो नहीं होना चाहिए था वह हुआ है पर सरकार को हमारी पार्टी के लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए।

विजय ने कहा, "मुख्यमंत्री महोदय, मैं आपसे अनुरोध करता हूं- कृपया मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को नुकसान न पहुंचाएं। आप मेरे घर या मेरे कार्यालय में आ सकते हैं और मेरे खिलाफ कोई भी कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन उनके खिलाफ नहीं... जल्द ही, हर सच्चाई सामने आ जाएगी।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं भी इंसान हूं। जब इतने सारे लोग प्रभावित हुए हैं, तो मैं उन्हें छोड़कर कैसे वापस आ सकता हूं? मैं इसलिए नहीं गया क्योंकि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि फिर कोई अप्रिय घटना न हो।"

# अमेरिका ने भारत में जीसीसी (ग्लोबल केपेबिलिटी सैंटर) में अपना काम शिफ्ट किया

**गत सोमवार को यूएस ने एच-1बी वीज़ा की आवेदन राशि एक लाख डॉलर करने का बिल सीनेट में पेश कर दिया है**

- विश्व की आधी से ज्यादा (1700) जीसीसी भारत में हैं। पूर्व में यह कंपनियाँ अमेरिकन कंपनियों को टैक्निकल सपोर्ट देती थीं, पर, अब उन्नत होकर हाई एंड इनोवेशन में सक्रिय हैं, चाहे वो लग्ज़री कार हो, डैश बोर्ड का डिज़ायन हो या नई दवाईयों की खोज।
- कॉग्निज़ैंट इंडिया के राममूर्ति, डियोलाइट इंडिया के पार्टनर रोहन लोबो और ए.एस.आर. के संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित आहूजा का मानना है कि हाई एंड इनोवेशन विश्व में कहीं भी किया जा सकता है। इसमें भारत को संकट तभी आ सकता है, जब जीसीसी मॉडल पर अमेरिका एचआईआरई टैक्स लगा दे।
- 283 बिलियन डॉलर की भारतीय आईटी इंडस्ट्री को झटका तो ज़रूर लगा है, वीज़ा राशि की अनाप-शनाप वृद्धि से, पर धक्के में कुछ मुलायमियत जीसीसी मॉडल की लोकप्रियता से आ गई है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (ए.आई.) के बढ़ ते इस्तेमाल और वीज़ा पर बढ़ ती पाबंदियों जैसे रूझानों के कारण अमेरिकी कंपनियाँ अपनी श्रम रणनीतियों को नए सिरे से तैयार करने के लिए मजबूर हो रही हैं।

अर्थशास्त्रियों और उद्योग के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की एच-1 बी वीज़ा पर सख्ती के कारण अमेरिकी कंपनियां अपने अहम काम भारत में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेज करेंगी। इससे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जी.सी.सी.) का तेज़ी से विस्तार होगा, जो वित्त से लेकर रिसर्च और डवलपमैंट तक कई तरह के काम संभालते हैं।

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, भारत में इस समय 1,700 से ज्यादा जी.सी.सी हैं, जो विश्व के कुल जी.सी.सी. का आधा से अधिक हिस्सा हैं। अब ये सैंटर्स केवल तकनीकी सहायता केन्द्रों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि, लग्ज़री कारों के डैशबोर्ड डिजाइन से लेकर नई दवाओं की खोज तक के क्षेत्रों में उच्च मूल्य वाली खोज और इनोवेशन का केंद्र बन चुके हैं।

ए.आई. के बढ़ ते इस्तेमाल और वीज़ा पर कड़ी पाबंदियों जैसे रुझान अमेरिकी कंपनियों को अपनी श्रमिक रणनीति फिर से बनाने पर मजबूर कर रहे हैं, और भारत के जी.सी.सी. ऐसे मजबूत केंद्र बनकर उभरे हैं जो वैश्विक कौशल को स्थानीय नेतृत्व के साथ जोड़ते हैं।

डेलॉयट इंडिया में पार्टनर और जी.सी.सी. उद्योग प्रमुख रोहन लोबो ने कहा, "इस समय के लिए जी.सी.सी. विशिष्ट रूप से उपयुक्त है, वो एक तैयार इन-हाउस इंजन की तरह काम करते हैं।" उन्होंने बताया कि कई अमेरिकी कंपनियां अपनी कार्यबल जरूरतों का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं।

उन्होंने कहा, "ऐसे बदलाव की योजनाएं पहले से ही बनाई जा रही हैं।" उन्होंने वित्तीय सेवाओं व तकनीक जैसे क्षेत्रों में बढ़ ती गतिविधि की ओर इशारा किया, खासतौर पर उन कंपनियों में जो अमेरिकी सरकारी ठेकों से जुड़ी हैं।

लोबो का कहना है कि आने वाले समय में जी.सी.सी. ज्यादा रणनीतिक और नवाचार आधारित जिम्मेदारियां संभालेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस महीने नए एच-1बी वीज़ा आवेदन की फीस को मौजूदा 2,000 से 5,000 डॉलर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# बिहार में स्पेशल इन्टैन्सिव रिविज़न कवायद खत्म, नई वोटर लिस्ट जारी

**चुनाव आयोग अगले सप्ताह तक विधानसभा चुनाव कार्यक्रम भी घोषित तक देगा**

- नई वोटर लिस्ट में 7.42 करोड़ मतदाता हैं, जबकि एक अगस्त को जारी ड्राफ्ट लिस्ट में 7.24 करोड़ मतदाता थे, पर ये अभी भी 24 जून 2025 की मतदाता संख्या 7.89 करोड़ से कम हैं।
- बिहार में 22 साल बाद शुरु हुई यह एसआईआर प्रक्रिया आरंभ से ही विवादों में घिरी रही है, मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को धमकी भी दे डाली कि अगर गड़बड़ियाँ दूर नहीं हुईं तो वे प्रकाशित लिस्ट को खारिज कर देंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें 7.42 करोड मतदाता दिखाए गए हैं, जबकि 1 अगस्त को जारी मसौदा सूची में 7.24 करोड मतदाता थे। हालांकि यह संख्या 24 जून 2025 को दर्ज 7.89 करोड मतदाताओं से अब भी कम है।

यह संशोधन प्रक्रिया, जिसे स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एस.आई.आर.) कहा गया है, कड़ी निगरानी और विपक्ष द्वारा बार-बार इसे रोकने की मांग के बीच कराई गई। यह अभ्यास 22 साल बाद हुआ और मसौदा मतदाता सूची एक अगस्त को प्रकाशित की गई थी।

इसके बाद यह सूची 1 सितम्बर तक मतदाताओं और राजनीतिक दलों के "दावे और आपत्तियों" के लिए खुली रही। आयोग ने कहा कि वह किसी भी योग्य नागरिक को सूची से बाहर नहीं रहने देगा और किसी अयोग्य व्यक्ति को सूची में शामिल नहीं होने देगा।

तथापि, मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। याचिकाकर्ताओं ने संशोधन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## निर्माणाधीन थर्मल पावर स्टेशन का आर्च गिरा, 9 मजदूरों की मौत

चेन्नई, 30 सितंबर। चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन (एनोर) के निर्माण स्थल पर मंगलवार को एक निर्माणाधीन इमारत ढ ह गई, जिसमें 9 मजदूरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 30 फीट की ऊंचाई का एक आर्च मजदूरों पर गिर गया। जिस वजह से कई मजदूर मलबे में दब गए। सभी मजदूर उत्तर भारत से हैं। घायलों को स्टेनली मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

- ये सभी प्रवासी मजदूर बताये जाते हैं, जो उत्तर भारत के रहने वाले हैं।

जानकारी के मुताबिक, मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक उनके ऊपर 30 फीट ऊंचाई से आर्च गिर गया जिससे अफरातफरी मच गई और इसमें दबकर नौ मजदूरों की मौत हो गई। ये सभी प्रवासी मजदूर बताए जा रहे हैं जो उत्तर भारत के रहने वाले हैं। मलबे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# सीजेआई गवई की माँ कमलाताई ने संघ के विजयदशमी आमंत्रण को ठुकराया

**कमलाताई को संघ ने अमरावती शाखा में आयोजित विजयदशमी कार्यक्रम में बतौर चीफ गैस्ट आमंत्रित किया गया था**

- सीजेआई की माँ ने एक पत्र लिखकर कहा कि मैं पक्की अंबेडकरवादी हूँ तथा संविधान में विश्वास करती हूँ। विजयदशमी हिंदू संस्कृति में महत्वपूर्ण है, पर, हम बौद्ध हैं, हमारे लिए यह धम्म चक्र प्रवर्तन दिन है, जिसे अशोक विजयदशमी भी कहते हैं।
- गत कुछ दिनों से चर्चा थी कि कमलाताई ने संघ का निमंत्रण स्वीकार कर लिया, पर, कमलाताई ने इन खबरों को भ्रामक करार दिया।
- सीजेआई गवई के छोटे भाई, डॉक्टर राजेन्द्र गवई, जो राजनेता भी हैं, ने कहा कि उनकी माँ ने निमंत्रण स्वीकार किया था, उन्होंने अपनी माँ के पत्र की प्रमाणिकता पर भी सवाल उठाए।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई की मां कमलाताई गवई ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा विजयदशमी शताब्दी समारोह के लिए भेजे गए कथित निमंत्रण को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि वे "किसी भी परिस्थिति में इसमें शामिल नहीं होंगी।" उनके इस बयान ने आरएसएस-भाजपा तंत्र द्वारा अपनी कट्टर विचारधारा से बाहर विश्वसनीयता और स्वीकार्यता पाने के लिए खेले जा रहे "माइन्ड गेम" को उजागर कर दिया है।

आरएसएस द्वारा कमलाताई को निमंत्रण भेजे जाने की रिपोर्ट के एक दिन बाद ही उन्होंने कथित रूप से एक बयान जारी कर इसे अस्वीकार कर दिया।

कमलाताई के नाम से एक हस्तलिखित पत्र में कहा गया है कि वह एक कट्टर अंबेडकरवादी हैं और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह 5 अक्टूबर को महाराष्ट्र के अमरावती में होने वाले कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी।

उन्होंने लिखा, "मैंने कोई निमंत्रण स्वीकार नहीं किया है और न ही किसी तरह की लिखित स्वीकृति दी है। मैं अमरावती में आरएसएस के विजयदशमी कार्यक्रम में उपस्थित नहीं रहूंगी। मेरा परिवार अंबेडकरवादी विचारधारा और भारत के संविधान के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है। मुझे इस प्रकार के किसी कार्यक्रम से जोड़ना भ्रामक और असत्य है।"

आरएसएस की अमरावती महानगर इकाई ने कमलाताई को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था, जो कि किरण नगर स्थित श्रीमती नारसम्मा महाविद्यालय मैदान में आयोजित होने जा रहा है। कई टीवी चैनलों ने रिपोर्ट दी थी कि उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है।

दशहरे के दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे, जो एक वार्षिक कार्यक्रम है। कमलाताई के पत्र में कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## वरिष्ठ भाजपा नेता वी.के. मल्होत्रा का निधन

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे 94 साल के थे।

वीके मल्होत्रा दिल्ली के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद और सांसद रह चुके हैं।

- वे दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार विधायक निर्वाचित हुए थे।

कुछ दिनों से वह एम्स में भर्ती थे। जहां उनका इलाज चल रहा था और आज सुबह लगभग 6 बजे उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

मल्होत्रा दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार के विधायक थे। वे 1980

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# 'जिस आदमी ने सेना के लिए मेहनत करके सोलर एनर्जी से गर्म रहने वाले घर बनाये, वो देशद्रोही कैसे हो सकता है?'

**वांगचुक की पत्नी ने पति की गिरफ्तारी को नाजायज़ बताया और कहा कि उन्हें सेना के जनरल, कोर कमांडर आदि भी इज्जत और स्नेह से देखते आए हैं**

- वांगचुक की पत्नी ने कहा कि उनके पति ने शिक्षा के क्षेत्र में मौलिक काम किया है और उन्हें उसके लिए मैगसेसे अवॉर्ड भी दिया गया था।
- भारत के लिए यह बड़ी शर्मनाक बात होगी कि ऐसे व्यक्ति को नैशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है, जिसमें उन्हें एक साल तक बिना कारण बताए बंद रखा जा सकता है।
- वांगचुक पाकिस्तान में डॉन अखबार व यूएन के तत्वाधान में क्लाइमेट कॉन्फ्रैंस में आमंत्रित थे और गये, यह किस प्रकार देशद्रोह हो सकता है, जबकि भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के साथ मैच खेल सकती है, जिसकी सारे देश ने सराहना की।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितंबर। जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने आज पूरी दृढ़ता से अपने पति पर लगे "देशविरोधी" होने के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में चार नागरिकों की मौत पर न्यायिक जांच की मांग की।

ऑनलाइन प्रतिक्रिया देते हुए सामाजिक उद्यमी अंगमो ने भारतीय सेना के लिए किए गए अपने पति द्वारा किए गए कार्यों को उजागर किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "देशविरोधी? वांगचुक भारतीय सेना के लिए थर्मल शेल्टर बनाते हैं ताकि सैनिक गर्माहट में सो सकें। झूठे नारे खत्म हो जाते हैं, लेकिन उनका राष्ट्र के लिए सेवा भाव सदा रहेगा।

वांगचुक पर देशद्रोह के आरोप तब लगे जब उनका विरोध हिंसक प्रदर्शन में बदल गया।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने पूछा, "कौन देशविरोधी व्यक्ति सेना के जनरलों और कोर कमांडरों से मिलता है और उनके सम्मान का पात्र होता है? कौन देशविरोधी सैनिकों और अधिकारियों के लिए सोलर होम बनाता है ताकि वे गर्म रहें और प्रभावी ढंग से लड़ सकें?"

उन्होंने कहा, लेह में हुई झड़पों में चार लोगों की मौत और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इसके तुरंत बाद वांगचुक ने हिंसा की निंदा करते हुए अपना अनशन समाप्त कर दिया।

इस बीच, राहुल गांधी ने लेह में एक पूर्व सैनिक सहित चार नागरिकों की हत्या की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की मांग की और लिखा कि "पिता एक सैनिक, बेटा भी एक सैनिक उनके खून में देशभक्ति है। फिर भी भाजपा सरकार ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## प्रधानमंत्री संघ शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि होंगे

नयी दिल्ली, 30 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बुधवार को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्र के प्रति आरएसएस के योगदान पर विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया एक स्मारक डाक टिकट तथा सिक्का जारी करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

- वे आरएसएस पर विशेष स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा